सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा - 2024
(संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि - 12/9/2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 28

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न–पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

404181

Sub : Dharmshastra-II
Paper-II

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न–पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न–पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न–पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।
- प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न–पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का **1/3** भाग काटा जायेगा । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
9.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022** तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर–पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर–पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर–पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर–पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

1. याज्ञवल्क्यमतेन 'तत्त्वस्मृतेरूपस्थानेन, सत्त्वयोगेन, कर्मक्षयेण' सतां सन्निकर्षेण च किं सिध्यति ?
(1) चक्रवर्तित्वम् (2) शास्त्रविज्ञानम्
(3) आत्मयोगः (4) ईश्वरसाक्षात्कारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. याज्ञवल्क्यनुसारेण आदिदेवस्य पादात् किं जातम् ?
(1) वायुः (2) दिशा
(3) चन्द्रमा (4) पृथिवी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारेण आहारस्य सारभूतस्य रसस्य परिमाणं कति अञ्जलयः ?
(1) दशाञ्जलयः (2) नवाञ्जलयः
(3) षडञ्जलयः (4) पञ्चाञ्जलयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. विज्ञानेश्वरमतेन 'यमहमद्राक्षं तमहं स्पृशामि' इति वचनात् किं सिध्यति ?
(1) दर्शन–स्पर्शनयोरेक एव ध्रुवो ज्ञाता ।
(2) ममेन्द्रियाणि सम्यक् प्रवर्तन्ते ।
(3) मम पूर्वं ज्ञानं समीचीनम् ।
(4) ममोत्तरं ज्ञानं साधु ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. महापातकेषु स्तेयस्य को विशिष्टोऽर्थः कृतः ?
(1) वस्तुविक्रये हीनवस्तुप्रदानम्
(2) कूटद्रव्यविक्रयः
(3) ब्राह्मण–स्वर्णापहारः
(4) राज्ञः कराप्रदानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. अत्र कतमो ब्रह्माधिगमोपायो नास्ति ?
(1) ध्यानम् (2) गानम्
(3) वीणावादनम् (4) नर्तनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. याज्ञवल्क्यमते अनादिष्टपापेषु शुद्धिः केन भवति ?
(1) सचैलस्नानेन (2) चान्द्रायणव्रतेन
(3) पराकव्रतेन (4) उपवासेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. याज्ञवल्क्यमते कं पुरुषं महापातकजान्यपि पापानि न स्पृशन्ति ?
(1) ब्रह्मचारिणम् (2) वेदाभ्यासनिरतम्
(3) सत्यवादिनम् (4) क्षेत्रज्ञम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. याज्ञवल्क्यस्मृत्युनुसारं सुरापानतुल्यं नास्ति –
(1) निषिद्धं मतिपूर्वं भक्षणम्
(2) उत्कर्षे निमित्तमनृतभाषणम्
(3) अनृताभिशंसनम्
(4) जैह्म्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. याज्ञवल्क्यमतेन शवनिमित्तम् आशौचं कियत्काल–पर्यन्तं भवति ?
(1) द्विरात्रं दशरात्रं वा
(2) त्रिरात्रं दशरात्रं वा
(3) अहोरात्रं सप्तरात्रं वा
(4) पञ्चरात्रं सप्तरात्रं वा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूचि–I		सूचि–II	
A.	अनूचानः	i.	एकशाखाध्यायी
B.	श्रोत्रियः	ii.	वेदाङ्गानां प्रवक्ता
C.	ऋत्विजः	iii.	कृच्छ्चान्द्रायणादिप्रवृत्ताः
D.	व्रती	iv.	याजकः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

	A	B	C	D
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	i	iv	iii
(3)	iii	iv	ii	i
(4)	iv	iii	i	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. मिताक्षरानुसारेण सख्यादीनां प्रेतादीनां कामोदकं अकरणे कः प्रत्यवायः ?
(1) शतवारं गायत्रीजपम्
(2) चान्द्रायणव्रतम्
(3) गोदानम्
(4) कोऽपि प्रत्यवायः नास्ति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. ऊनद्विवार्षिकं प्रेतं भूमौ निधायोदासीनैर्भाव्यमिति मिताक्षरा। तत्रौदासीन्यं कस्मिन् ?
(1) और्ध्वदेहिके (2) शोके
(3) शिशौ (4) लोके
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

14. सपिण्डाशौचे को नापवाद: ?
(1) महीपति:
(2) विद्युता हतानां सपिण्डा:
(3) अकारण-मृतानां सपिण्डा:
(4) यस्य चेच्छति पार्थिव:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

15. याज्ञवल्क्यमतेन गर्भस्रावे शुद्धे: किं कारणम् ?
(1) मासतुल्या रात्र्य: (2) चतस्रो रात्र्य:
(3) त्रिरात्रम् (4) मासत्रयम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

16. कालमाधवानुसारेण त्रिविक्रमस्य प्रतिष्ठा कस्मिन् काले कर्त्तव्या –
(1) उत्तरायणे
(2) दक्षिणायने
(3) अयनद्वये विकल्पेन
(4) अयनसन्धौ
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

17. कालमाधवानुसारेण भानावुदिते सत्युत्तरकालेऽह्नो मुहूर्तद्वयं कस्य कृते निर्धारितम् –
(1) देवेभ्य: (2) पितृभ्य:
(3) भूतेभ्य: (4) नृभ्य:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

18. सपिण्डै: काभ्यामुदकदानं न करणीयम् ?
(1) अपुत्राय क्लीबाय च
(2) स्तेनाय अकृताश्रमाय च
(3) अपुत्राय-पतिताय च
(4) अग्निदग्धाय-पर्वतात् पतिताय च
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

19. अन्त्योपान्त्यमासानां फाल्गुनस्य च त्रिभसंज्ञा। तदितरमासा : किमुच्यन्ते ?
(1) द्विभा: (2) चतुर्भा:
(3) विभा: (4) सर्वभा:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

20. 'सम्पूर्णा इति विख्याता हरिवासर वर्जिता:' इति स्कन्दपुराणवचने 'हरिवासर:' पदस्य कोऽर्थ: –
(1) एकादशी (2) त्रयोदशी
(3) पूर्णिमा (4) अमावस्या
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

21. इष्टकोपधानब्राह्मणस्य मन्त्रानुसारेण 'मधुश्च माधवश्च' इति मासयोर्द्वन्द्वं कस्मिन् ऋतौ भवति –
(1) हेमन्त-ऋतौ (2) शरद-ऋतौ
(3) वर्षा-ऋतौ (4) वसन्त-ऋतौ
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

22. दर्शान्तानां पूर्णिमान्तानां वा मासविशेषाणां चैत्रादिसंज्ञा केन प्रयुक्ता –
(1) नक्षत्रेण (2) तिथिना
(3) कालेन (4) ईश्वरेण
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

23. ज्योतिर्गणानुसारेण चान्द्र-सौर-सावन-मासानां मध्ये आब्दिके पितृकार्ये च क: मास: प्रशस्यते –
(1) सौर: (2) सावन:
(3) चान्द्र: (4) सौर: सावनश्च
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

24. कालमाधवानुसारेण द्वितीयाविद्धा तृतीया किममङ्गलम् आनयति –
(1) विधवात्वम् (2) नपुंसकत्वम्
(3) रोगम् (4) अङ्गवैकल्पम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

25. पक्ष्यते परिगृह्यत इति पक्षः – इति निर्वचनम् । किमर्थं परिगृह्यते – इति निर्दिशन्तु –
(1) केवलं पितृ–कार्यार्थम्
(2) केवलं देव कार्यार्थम्
(3) पितृकार्यार्थं देवकार्यार्थं वा
(4) कर्मविरामार्थम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. कालमाधवे 'तन्यते कलया यस्मात् तस्मात्तास्तिथयः स्मृताः' इति वचनं कुतः उद्धृतः ?
(1) धर्मसिन्धौ (2) निर्णयसिन्धौ
(3) सिद्धान्तशिरोमणौ (4) संस्कारप्रकाशे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. 'दिनार्द्ध–समयेऽतीते यत् नियमेन भुज्यते' तत् कथ्यते –
(1) एकभक्तम् (2) आपराह्णिकम्
(3) नक्तम् (4) मध्याह्नम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. 'अयाचिताशी मितभुक् परां सिद्धिमवाप्नुयात्' इति स्मृतिवचनानुसारेण मितभोजित्वं कति ग्रासैः सिध्यति ?
(1) अष्टभिः (2) दशभिः
(3) पञ्चदशग्रासैः (4) द्वादशग्रासैः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. कालमाधवे पित्र्यस्य भेदौ स्तौ –
i. एकोद्दिष्टम् ii. पार्वणम्
iii. बहूद्दिष्टम् iv. कार्मणम्
कालमाधवमाश्रित्य समीचीनमुत्तरं चिनुत –
(1) i, ii केवलम् (2) i, iii केवलम्
(3) ii, iii केवलम् (4) iii, iv केवलम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. जाबालिमते मलमासे किं निषिद्धम् ?
i. नित्यकर्म ii. नैमित्तिककर्म
iii. श्राद्धकर्म iv. काम्यकर्म
अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –
(1) i, ii केवलम् (2) iii, iv केवलम्
(3) iii केवलम् (4) iv केवलम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. वराहपुराणेऽभिहितस्य आरोग्यसप्तमी–व्रतस्य देवताऽस्ति –
(1) महेश्वरः (2) सूर्यः
(3) विष्णुः (4) अश्विनौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. कूर्मपुराणानुसारं विष्णुसायुज्योच्छुकः कदा न भुञ्जीत –
(1) पञ्चम्याम् (2) दशम्याम्
(3) एकादश्याम् (4) त्रयोदश्याम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. सूर्याचन्द्रमसोः परो विप्रकर्षः कथ्यते –
(1) पौर्णमासी (2) अमावस्या
(3) संक्रान्तिः (4) ग्रहणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूचि–I	सूचि–II
A. पूर्वा पौर्णमासी	i. सिनीवाली
B. उत्तरा पौर्णमासी	ii. राका
C. पूर्वा अमावस्या	iii. अनुमतिः
D. उत्तरा अमावस्या	iv. कुहूः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

	A	B	C	D
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	iii	iv	i
(3)	iii	ii	i	iv
(4)	iv	i	ii	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. 'पञ्चमी तु प्रकर्त्तव्या षष्ठ्या युक्ता तु नारद' इति वचनानुसारेण परविद्धा पञ्चमी कस्मिन् कर्मणि स्वीकार्या ?
(1) श्राद्धकर्मणि (2) दैवकर्मणि
(3) पित्र्यकर्मणि (4) स्कन्दोपवासे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. आचारमयूखानुसारं प्रातःसंध्या कतिधा –
(1) एकधा (2) द्विधा
(3) पञ्चधा (4) त्रिधा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. आचारमयूखानुसारेण द्विजे ब्राह्मे मुहूर्ते निद्रायां रते सति तत्कृते स्मृतिरत्नावल्यां विहितं प्रायश्चित्तमस्ति –
(1) कृच्छव्रतम् (2) पादकृच्छव्रतम्
(3) चान्द्रायणव्रतम् (4) दर्शयागः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. शंखमतानुसारं शौचे यतीनां मृद्ग्रहणसंख्या गृहस्थापेक्षया कियती भवति ?
(1) गृहस्थ–समा
(2) गृहस्थेभ्यो द्विगुणा
(3) गृहस्थेभ्यस्त्रिगुणा
(4) गृहस्थेभ्यश्चतुर्गुणा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. मनुमतेन नृणां शारीरमलाः कति सन्ति ?
(1) पञ्चसंख्यकाः (2) सप्तसंख्यकाः
(3) दशसंख्यकाः (4) द्वादशसंख्यकाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. शारीरमलानां शौचाकरणे स्मृतिरत्नावल्यां किं प्रायश्चित्तं विहितम् ?
i. गायत्र्यष्टशतं जपम्
ii. पादकृच्छव्रतम्
iii. प्राणायामत्रयम्
iv. पराकव्रतम्
अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –
(1) i, ii केवलम् (2) ii, iii केवलम्
(3) i, iii केवलम् (4) ii, iv केवलम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. सर्वेषां सोमयागानां प्रकृतियागः भवति –
(1) दर्शयागः (2) ज्योतिष्टोमः
(3) अग्निष्टोमः (4) पौर्णमासयागः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. गर्गाचार्याणां मतेन नारीणां दन्तकाष्ठमानम् अस्ति –
(1) द्वयङ्गुलम् (2) चतुरङ्गुलम्
(3) षड्गुलम् (4) दशाङ्गुलम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. "आयुर्बलं यशो वर्चः प्रजाः पशुवसूनि च ।
ब्रह्म प्रज्ञां च मेधां च त्वं नो देहि वनस्पते ।।"
मन्त्रस्यास्य विषयोऽस्ति –
(1) आचमनम् (2) आशौचम्
(3) दन्तधावनम् (4) सन्ध्यावन्दनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. 'सप्तधा बर्हिरुच्यते' आचारमयूखे उद्धृतस्य कथनस्यास्य वक्ताऽस्ति –
(1) यमः (2) शङ्खः
(3) याज्ञवल्क्यः (4) कात्यायनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. स्नानविधौ ब्राह्मणादिषु प्रशस्तवस्त्राणां वर्णक्रमेण समुचितः क्रमोऽस्ति –
i. पीतम् ii. नीलम्
iii. सितम् iv. रक्तम्
अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –
(1) i, ii, iii, iv
(2) ii, iv, iii, i
(3) iii, iv, i, ii
(4) iv, iii, ii, i
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. आचारमयूखमतेन पुत्रेप्सुभिः कस्मिन् दिने समुद्रस्नानं नाचरणीयम् ?
(1) भौमवासरे (2) रविवासरे
(3) सोमवासरे (4) शनिवासरे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. "समुद्रवसने देवि पर्वतस्तनमण्डले ।
विष्णुपत्नि ! नमस्तेऽस्तु पादस्पर्शं क्षमस्व नः ।।"
एषा भूप्रार्थना कुत्र प्राप्यते –
(1) मदनपारिजाते (2) वामनपुराणे
(3) प्रयोगपारिजाते (4) निर्णयसिन्धौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. आचारमयूखमतेन सन्ध्यावन्दने का प्रात:सन्ध्या उत्तमा भवति –
(1) तारकोपेता (2) लुप्ततारका
(3) सूर्यसहिता (4) चन्द्रसहिता
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

49. "हस्तौ पादौ तथैवास्यमेषु पञ्चार्द्रता मता" इति वचने पञ्चार्द्रताविधानं विहितमस्ति
(1) आचमनप्रसङ्गे
(2) भोजनप्रसङ्गे
(3) सन्ध्यावन्दनप्रसङ्गे
(4) आशौचप्रसङ्गे
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

50. नीतिमयूखे समुद्धृतेन मनुमतेन कान् मन्त्रिणो न कुर्वीत राजा ?
(1) मौलान् (2) शूरान्
(3) बालसुहृद: (4) कुलोद्भवान्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

51. नीतिमयूखानुसारेण कस्यां तिथौ राजा न अभिषेच्य: ?
i. चतुर्थ्याम् ii. पञ्चम्याम्
iii. नवम्याम् iv. चतुर्दश्याम्
अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –
(1) i, ii, iii केवलम्
(2) ii, iii, iv केवलम्
(3) i, iii, iv केवलम्
(4) ii केवलम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

52. नीतिमयूखे षाड्गुण्ये सन्धिविषये प्रधान: सन्धि: अस्ति –
(1) राज्यसन्धि: (2) उपहारसन्धि:
(3) यानसन्धि: (4) कालसन्धि:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

53. आचारमयूखानुसारेण उत्तमोत्तमपुण्ड्रस्य प्रमाणं भवति –
(1) द्व्यङ्गुलम् (2) पञ्चाङ्गुलम्
(3) सप्ताङ्गुलम् (4) दशाङ्गुलम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

54. नीतिसारे 'अन्यत्र प्रस्थित: सङ्गादन्यतैव च गच्छति' इति कीदृशं यानं प्रोक्तम् ?
(1) विगृह्ययानम् (2) प्रसङ्गयानम्
(3) सन्धियानम् (4) महायानम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

55. नीतिमयूखानुसारं भूमिपालाभिषेचने कानि नक्षत्राणि प्रशस्तानि ?
(1) श्रवण:, ज्येष्ठा, रोहिणी
(2) ज्येष्ठा, अश्विनी, कृत्तिका
(3) ज्येष्ठा, अश्विनी, श्रवण:
(4) भरणी, अश्विनी, मघा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

56. नीतिसारमतेन महीपते: भुजौ स्त: –
(1) अमात्यो सेनापतिश्च
(2) युवराजो पुरोहितश्च
(3) पुरोहितो सेनापतिश्च
(4) अमात्यो युवराजश्च
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

57. नीतिमयूखानुसारं के यथार्था: सुहृद: ?
(1) ये सुखकाले सायुज्यं कुर्वन्ति
(2) ये उत्पथगतं वारयन्ति
(3) ये मधुरमालपन्ति
(4) येऽनुरागं दर्शयन्ति
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

58. 'कोशो हि राज्यतरुमूलमतो हि शाखा:' इति मतमस्ति –
(1) कामन्दकस्य (2) याज्ञवल्क्यस्य
(3) वराहमिहिरस्य (4) वसिष्ठस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

59. नीतिमयूखमतेन गुणानुरागप्रकृतेर्यात्रा किन्नाम्ना स्मृता ?
(1) यानम् (2) आसनम्
(3) विग्रहम् (4) तीर्थम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

60. त्रिविधानां दूतानां मध्ये यथायोग्यं परेषामग्रे यो वदति स: –
(1) मितार्थ: (2) निसृष्टार्थ:
(3) शासनवाहक: (4) मैत्र्यवाहक:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

61. का नाम रथसप्तमी ?
(1) मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी
(2) पौष शुक्ल सप्तमी
(3) माघ शुक्ल सप्तमी
(4) फाल्गुन कृष्ण सप्तमी
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

62. का नाम तिथिर्भवति 'तिलचतुर्थी' ?
(1) कार्तिक शुक्ल चतुर्थी ।
(2) मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्थी ।
(3) पौष कृष्ण चतुर्थी ।
(4) माघ शुक्ल चतुर्थी ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

63. निर्णयसिन्धौ अनन्तभट्टमतेन जनार्दननामा विष्णु: पूज्यते –
(1) श्रवणैकदश्याम्
(2) श्रवणदशम्याम्
(3) श्रवणद्वादश्याम्
(4) श्रवणपूर्णिमायाम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

64. कस्यां तिथौ कोकिलाव्रतमाचरणीयम् ?
(1) वैशाखी पूर्णिमायाम्
(2) ज्येष्ठा पूर्णिमायाम्
(3) आषाढी पूर्णिमायाम्
(4) श्रावणी शुक्ल द्वादश्याम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

65. कामन्दकमतेन 'बलम्' कतिविधम् ?
(1) द्विविधम् (2) त्रिविधम्
(3) चतुर्विधम् (4) षड्विधम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

66. का तिथिर्भवति 'शिवरात्रि:' ?
(1) मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्दशी ।
(2) पौष शुक्ल चतुर्दशी ।
(3) माघ शुक्ल चतुर्दशी ।
(4) फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

67. भीष्मपञ्चकव्रतं आरभ्यते –
(1) भाद्रपदशुक्लद्वादश्या:
(2) आश्विनकृष्णैकादश्या:
(3) कार्तिकशुक्लैकादश्या:
(4) मार्गशीर्षशुक्ल द्वादश्या:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

68. पुराणसमुच्चयमाश्रित्य यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूचि–I		सूचि–II	
A.	मत्स्यजयन्ती	i.	वैशाखशुक्ल–चतुर्दशी
B.	नृसिंहजयन्ती	ii.	चैत्रशुक्ल–तृतीया
C.	परशुरामजयन्ती	iii.	चैत्रशुक्ल–नवमी
D.	श्रीरामजयन्ती	iv.	वैशाखशुक्ल–तृतीया

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

	A	B	C	D
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	i	iv	iii
(3)	iii	ii	i	iv
(4)	iv	i	iii	ii

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

69. कस्य मासस्य शुक्लादशमी 'दशहरा' स्मृता –
(1) आश्विनस्य (2) कार्तिकस्य
(3) वैशाखस्य (4) ज्येष्ठस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

70. का तिथि: कल्पादि इत्युच्यते ?
(1) चैत्रकृष्णपञ्चमी
(2) चैत्रकृष्णनवमी
(3) चैत्रशुक्लपञ्चमी
(4) वैशाखशुक्लपञ्चमी
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

71. श्रावणमासस्य पर्व नास्ति –

i. नागपञ्चमी ii. रक्षाबन्धनम्

iii. जन्माष्टमी iv. रथोत्सव:

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(1) i, ii केवलम्

(2) ii, iii केवलम्

(3) iii, iv केवलम्

(4) i, ii, iii केवलम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

72. निर्णयसिन्धुमते यमद्वितीयायां 'भगिन्य: अभावे संपूज्या प्रतिपन्नका:' इति विधाने हेमाद्रिमते 'प्रतिपन्नका:' का: ?

(1) पितृभगिन्य: (2) मातृभगिन्य:

(3) कुलभगिन्य: (4) दुहित्र्य:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

73. 'वैकुण्ठचतुर्दशी' कथ्यते –

(1) आषाणशुक्ल–चतुर्दशी

(2) आश्विनशुक्ल–चतुर्दशी

(3) भाद्रपदशुक्ल–चतुर्दशी

(4) कार्तिकशुक्ल–चतुर्दशी

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

74. चातुर्मास्यव्रते निषिद्धपदार्थानां मासेन सह मेलनं कुरुत –

सूचि–I	सूचि–II
A. श्रावण:	i. दधि:
B. भाद्रपद:	ii. शाकम्
C. आश्विन:	iii. द्विदलम्
D. कार्तिक:	iv. दुग्धम्

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

	A	B	C	D
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	i	iv	iii
(3)	iii	iv	i	ii
(4)	iv	iii	ii	i

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

75. निर्णयसिन्धुमते 'फाल्गुनकृष्णाष्टमी' स्मृता –

(1) सीताष्टमी (2) जन्माष्टमी

(3) गौर्याष्टमी (4) नद्याष्टमी

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

76. वैदिकै: कर्मभि: पुण्यैर्निषेकादिर्द्विजन्मनाम् ।
कार्य: शरीरसंस्कार: पावन: प्रेत्य चेह च ।।
'वैदिकैरिति' – अत्र वेद शब्दोऽस्ति –

(1) उच्चारणात्मक क्रियापर: ।

(2) औपचारिक: ।

(3) मन्त्रात्मक वेदपर: ।

(4) उभय लोकोपकारक: ।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

77. द्विविधो हि संस्कारो भवति – स च –

(1) स्मार्त्तो ब्राह्मश्च ।

(2) पाकयज्ञो हविर्यज्ञश्च ।

(3) सोमयज्ञो अग्निष्टोमश्च ।

(4) ब्राह्मो दैवश्च ।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

78. जातकर्म कदा विधीयते ?

(1) पितु: स्नानात् पूर्वम् ।

(2) हिरण्यादि दानात्पूर्वम् ।

(3) जातस्य मुख दर्शनात्पूर्वम् ।

(4) बालस्य नाभिवर्धनात्पूर्वम् ।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

79. उपनयनं विद्यार्थस्य श्रुतित: संस्कार:, विद्यार्थस्याशयोऽत्रास्ति –

(1) उपनयाख्यं यत्कर्म विद्यार्थं तदुदीरितम् ।

(2) उपसमीपे आचार्यादीनां वटोर्नीतिर्नयनम् ।

(3) विद्यया अर्थ: प्रयोजनं यस्य स विद्यार्थ: ।

(4) विद्यामर्थञ्च कामयते स विद्यार्थ: ।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

80. निर्णयसिन्धुमते कस्मिन् मासे 'अष्टकाश्राद्धं' विहितमस्ति –

(1) अश्विने (2) श्रावणे

(3) कार्तिके (4) पौषे

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

81. हारीतमतानुसारं दैवसंस्कारौ स्तः –

i. उपनयनम् ii. विवाहः

iii. पाकयज्ञः iv. अग्निष्टोमः

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(1) i, ii केवलम्
(2) ii केवलम्
(3) iii, iv केवलम्
(4) ii, iii केवलम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. वसिष्ठमते विष्णुबलिकृते प्रशस्तोऽस्ति –

(1) गर्भस्य अष्टमो मासः – द्वादशी तिथिः – रोहिणी नक्षत्रम्
(2) गर्भस्य अष्टमो मासः – द्वितीया तिथिः – पुनर्वसु–नक्षत्रम्
(3) गर्भस्य सप्तमो मासः – सप्तमी तिथिः – पुष्य नक्षत्रम्
(4) गर्भस्य चतुर्थो मासः – पञ्चमी तिथिः – पुष्य नक्षत्रम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. संस्कारप्रकाशे वसिष्ठमते नामकर्म विधीयते –

(1) दशमे द्वादशे वाऽह्नि
(2) अष्टमे दशमे वाऽह्नि
(3) द्वादशे षोडशे वाऽह्नि
(4) अष्टमे द्वादशे वाऽह्नि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. सोष्यंती कर्म भवति –

(1) प्रसूतिका संस्कारः ।
(2) सूतिका गृह संस्कारः ।
(3) ब्राह्म संस्कारः ।
(4) बद्धपिनं कर्म ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. संस्कारप्रकाशमतेन नाम न स्यात् –

(1) कुलदेवतासम्बद्धम्
(2) मासस्म्बद्धम्
(3) नक्षत्रसम्बद्धम्
(4) तिथिसम्बद्धम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. संस्कारप्रकाशे यममतेन जातस्य शिशोः प्रथमं चन्द्रदर्शनं कस्मिन् मासि कर्त्तव्यम् –

(1) द्वितीये (2) तृतीये
(3) चतुर्थे (4) षष्ठे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. संस्कारप्रकाशे नारदमते कर्णवेधसंस्काराय विवर्जिता राशिरस्ति ।

(1) सिंहः (2) वृषभः
(3) मिथुनः (4) मीनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. संस्कारप्रकाशमते गर्भाधानसंस्काराय पूज्यानि नक्षत्राणि सन्ति –

(1) षड् (2) दश
(3) एकादश (4) पञ्चदश
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. **कथनम्** – आश्वलायनाचार्यस्य मतेन वैश्यस्य नाम गुप्तान्तम् अभिधीयते ।

कारणम् – वैश्यः काले–काले धनं दत्वा सर्वान् गोपायति ।

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत ।

(1) केवलं कथनं सत्यम् अस्ति ।
(2) केवलं कारणं सत्यम् अस्ति ।
(3) कथनं सत्यमस्ति किन्तु कारणं असत्यमस्ति ।
(4) कथनं कारणञ्च उभे सत्ये स्तः ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. ब्रह्मपुराणानुसारेण भिन्नजातिषु सपिण्डता विनिवर्तते –

(1) चतुर्थे पुरुषे (2) पञ्चमे पुरुषे
(3) षष्ठे पुरुषे (4) सप्तमे पुरुषे
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

91. बौधायन धर्मसूत्रस्य रचनाकाल: सम्भाव्यते –

(1) ई.पूर्वम् 200 त: 500 मध्ये
(2) ई.पूर्वम् 500 त: 700 मध्ये
(3) ई.पूर्वम् 700 त: 800 मध्ये
(4) ई.पूर्वम् 800 त: 900 मध्ये
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

92. हारीतानुसारं कासां नारीणाङ्कृते उपनयन संस्कारस्याधिकार अस्ति ?

(1) ब्रह्मवादिनीनाङ्कृते
(2) सद्योवधूनाङ्कृते
(3) सहचारिणीनाङ्कृते
(4) अपरिणीतानाङ्कृते
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

93. तन्त्रवार्तिकानुसारं शंखलिखितधर्मसूत्रस्याध्ययनं के कुर्वन्ति स्म ?

(1) वाजसनेयिन:
(2) वैखानसा:
(3) ब्रह्मवादिन्य:
(4) कृष्णयजुर्वेदीया:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

94. तीवरदेवस्य रागिमताम्रपत्रे वसिष्ठधर्मसूत्रस्योद्धरणं लभ्यते । तस्य ताम्रपत्रस्य क: काल: ?

(1) प्रथमा शती (2) तृतीया शती
(3) अष्टमी शती (4) दशमी शती
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

95. संस्कारप्रकाशे वसिष्ठमते समावर्तनसंस्काराय श्रेष्ठं नक्षत्रं नास्ति –

(1) पुनर्वसु: (2) पुष्यम्
(3) रोहिणी (4) ज्येष्ठा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

96. शङ्कराचार्येण द्वयोर्ग्रन्थयोर्भाष्ये आपस्तम्बीय-धर्मसूत्रमुद्धृतम् । तयोर्नामनी निर्दिशन्तु –

(1) बृहदारण्यकोपनिषत् – कठोपनिषच्च
(2) बृहदारण्यकोपनिषत् – छान्दोग्योपनिषच्च
(3) ब्रह्मसूत्राणि भगवद्गीता च
(4) बृहदारण्यकोपनिषद् ब्रह्मसूत्राणि च
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

97. सर्वाणि धर्मसूत्राणि गृह्यसूत्राणि च सर्वशाखाभ्य: प्रामाणिकानि – इति सिद्धान्त: केन प्रचारित: ?

(1) मीमांसकेन कुमारिलभट्टेन
(2) नैयायिकेन जयन्तभट्टेन
(3) धर्मशास्त्रकारेण कमलाकरभट्टेन
(4) स्मृतिकारेण पराशरेण
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

98. को नाम याज्ञवल्क्यस्मृते: प्रथमो व्याख्याकार: कश्च तस्य काल: ?

(1) विज्ञानेश्वर:, 600 – 625 ई. ।
(2) विश्वरूप:, 800 – 825 ई. ।
(3) गोविन्दराज:, 900 – 925 ई. ।
(4) कुल्लूकभट्ट:, 1000 – 1025 ई. ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

99. याज्ञवल्क्यस्मृते: सम्बन्ध: केन वेदेन सह अस्ति ?

(1) ऋग्वेदेन सह ।
(2) कृष्ण यजुर्वेदेन सह ।
(3) शुक्ल यजुर्वेदेन सह ।
(4) सामवेदेन सह ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

100. बौधायनेन दक्षिणापथजना: मिश्रितजातिषु स्थापिता: । तस्मात् पी.वी. काणेमहोदयेन किमनुमीयते ?

(1) असौ दाक्षिणात्य आसीत्
(2) असौ दाक्षिणात्यो नासीत्
(3) दक्षिणापथे मिश्रितजातयो भवन्ति स्म
(4) दक्षिणापथे जातिव्यवस्था शिथिलाऽऽसीत्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

101. विष्णुधर्मसूत्रं केन प्रणीतं मन्यते ?

(1) परमदेवेन। (2) वामदेवेन।

(3) हरदत्तेन। (4) हारीतेन।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

102. प्राचीन-भारतीय-व्यवहार-विधौ के के आयान्ति 'त्रिरत्नमण्डले' ?

(1) मनुयाज्ञवल्क्यपाराशराश्च।

(2) याज्ञवल्क्यबृहस्पतिनारदाश्च।

(3) बृहस्पतिनारदाङ्गिराश्च।

(4) नारदबृहस्पतिकात्यायनाश्च।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

103. मनुस्मृते: सर्वप्रथमं मुद्रणं कदा कस्मिन्नगरे जातम् ?

(1) 1620 ई. वाराणस्याम्।

(2) 1740 ई. मुम्बई नगरे।

(3) 1813 ई. कोलकाता नगरे।

(4) 1920 ई. काशी नगरे।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

104. याज्ञवल्क्यस्मृतौ शूलपाणेष्टीकाया: किं नाम ?

(1) दीपकलिका

(2) दीपमालिका

(3) दायभागरत्नाकर:

(4) विश्वम्भरा

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

105. एतासु कतमा याज्ञवल्क्यस्मृतेष्टीका वर्तते ?

(1) मुक्तावली (2) उज्ज्वला

(3) बालक्रीडा (4) बालमनोरमा

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

106. एषु को न मनुस्मृतेष्टीकाकार: ?

(1) भागुरि: (2) हरदत्त:

(3) कुल्लूक: (4) उदयकर:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

107. मित्रमिश्र: कस्य नृपतेरादेशेन वीरमित्रोदयं रचितवान् ?

(1) मधुरा नरेशस्य केशवदेवस्य

(2) कान्यकुब्जनरेशस्य परमानन्दस्य

(3) ओरछानरेशस्य वीरसिंहस्य

(4) मिथिलानरेशस्य भैरवसिंहदेवस्य

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

108. अपरार्केण दर्शनशास्त्रस्य कं ग्रन्थमाश्रित्य टीका लिखिता ?

(1) भासर्वज्ञस्य न्यायसारम्

(2) शङ्कराचार्यस्य विवेकचूडामणिम्

(3) केशवमित्रस्य तर्कभाषाम्

(4) विश्वनाथस्य न्यायसिद्धान्तमुक्तावलीम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

109. 'समयप्रदीपस्य' रचनाकार: क: ?

(1) हरिनाथ:

(2) श्रीदत्तोपाध्याय:

(3) काशीनाथोपाध्याय:

(4) चण्डेश्वर:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

110. रत्नाकरस्य लेखकेन चण्डेश्वरेण उत्सव-संस्कार-विषयक: को ग्रन्थो विरचित: ?

(1) उत्सव निदर्शिका

(2) उत्सव दीपिका

(3) उत्सव प्रकाश:

(4) कृत्य चिन्तामणि:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

111. अधस्तनेषु जीमूतवाहनेन को ग्रन्थो न रचित: ?

(1) दायभाग:

(2) प्रायश्चित्तविवेक:

(3) व्यवहारमातृका

(4) कालविवेक:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

112. निर्णयसिन्धुरिति ग्रन्थस्य प्रणयनं कमलाकरभट्ट: कस्मिन् वर्षे चकार ?

(1) १६१२ तमे (2) १६४० तमे

(3) १६३२ तमे (4) १६०० तमे

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

113. काशीनाथोपाध्यायेनात्र प्रदत्तेषु कतमो ग्रन्थो न कृत: ?

(1) धर्मसिन्धुसार:

(2) विट्ठलऋग्मन्त्रसारभाष्यम्

(3) प्रायश्चित्तशेखर:

(4) नित्यकर्मप्रदीप:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

114. पराशरेण राजनीतौ बहुश: लिखित: – इति पी.वी. काणे महोदय: केन हेतुना प्रतिपादयति ?

(1) यतो महाभारते पराशरो राजधर्ममुपदिशति ।

(2) यतस्तस्य ग्रन्थस्य केचन पृष्ठा: प्राप्यन्ते ।

(3) यत: कौटिल्येन स्वीये ग्रन्थे पराशरो बहुवारमुल्लिख्यते ।

(4) यतो मनुस्तं राजधर्मोपदेष्टारं कथयति ।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

115. 'विवादरत्नाकर' इत्यस्य ग्रन्थस्य रचयिता अस्ति –

(1) चण्डेश्वर: (2) हरदत्त:

(3) हेमाद्रि: (4) हरिहर:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

116. पराशरस्मृते: टीकाकार: अस्ति –

(1) विश्वरूप: (2) असहाय:

(3) माधव: (4) मित्रमिश्र:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

117. नीलकण्ठस्य व्यवहारमयूख इति ग्रन्थस्य संक्षिप्तं रूपं केन नाम्ना प्रसिद्धम् ?

(1) लघुमयूख:

(2) ऋजुमयूख:

(3) व्यवहारनीलकण्ठीयम्

(4) व्यवहारतत्त्वम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

118. जीमूतवाहनस्य व्यवहारमातृकायामुद्धृतं नारदीयवचनमेकं कालिदासस्य कस्यां कृतौ प्राप्यते ?

(1) शाकुन्तले

(2) रघुवंशे

(3) मालविकाग्निमित्रे

(4) विक्रमोर्वशीये

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

119. आनन्दाश्रम–जीवानन्दसङ्ग्रहयो: 'कर्मप्रदीप:' इत्याख्य: कर्मकाण्डपरो ग्रन्थ: प्राप्यते । तस्य को लेखक: ?

(1) शाण्डिल्य:

(2) शाण्डिन्यायन:

(3) गोभिल:

(4) कात्यायन:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

120. धर्मसूत्राणां टीकाकारै: समीचीनं संयोजनं निर्दिशन्तु

	धर्मसूत्राणि		**टीकाकारा:**
A.	गौतमधर्मसूत्रम्	i.	गोविन्दस्वामी
B.	वसिष्ठधर्मसूत्रम्	ii.	हरदत्त:
C.	बौधायनधर्मसूत्रम्	iii.	यज्ञस्वामी
D.	विष्णुधर्मसूत्रम्	iv.	नन्दपण्डित:

	A	B	C	D
(1)	ii	iii	i	iv
(2)	i	ii	iii	iv
(3)	iii	iv	i	ii
(4)	iv	i	iii	ii

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

121. श्रीदत्तकृत आचारादर्शो यजुर्वेदस्य कस्या: शाखाया अनुयायिभ्यो विरचित: ?

(1) तैत्तिरीयशाखाया:

(2) वाजसनेयिशाखाया:

(3) मैत्रायणीशाखाया:

(4) काठकशाखाया:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

122. मन्वनुसारं शत्रुं प्रति आक्रमणाय को मास: उचित: ?

(1) मार्गशीर्ष: (2) वैशाख:
(3) ज्येष्ठ: (4) आषाढ:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

123. अकृतात्मा नृपो देवान् कथं पीडयति ?

(1) स्वर्गमाक्रम्य (2) देवान् बन्दीकृत्य
(3) पापाचारै: (4) हवि: प्रदानाभावेन
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

124. मनुस्मृत्यनुसारेण शत्रो: व्यसनादिकार्ये प्राप्ते राज्ञ: एकाकिन: मित्रसहितं वा शत्रो: प्रति गमनं कथ्यते –

(1) सन्धि: (2) यानम्
(3) आसनम् (4) द्वैधीभाव:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

125. "महती देवता ह्येषा नररूपेण तिष्ठति" – इति मनुवचनस्य कुल्लूकमतेन कोऽभिप्राय: ?

(1) प्रत्यहं राज्ञे पुष्पफलादीनि प्रदातव्यानि ।
(2) नृपावज्ञयाऽधर्मादयो दोषा: भवन्ति ।
(3) अन्यदेवानामभ्यर्चनं न कार्यम् ।
(4) राजा सत्यमेव देवावतार: ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

126. राज्ये कार्यविभाजनस्य को विधि: ?

(1) सेना राजाधीना – लोकविनय: सेनाधीन:
(2) सेना सेनापत्यधीना – कोशो राजाधीन:
(3) लोकविनयो राजाधीन: – सन्धिविग्रहौ दूताधीनौ
(4) सन्धिविग्रहौ राजाधीनौ – कोशोऽमात्याधीन:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

127. मनुस्मृतिमनुसृत्य राज्ञो दिनचर्याक्रम: निर्दिश्यताम् ।

(1) होम:, व्यायाम:, मन्त्रिभिर्मन्त्रणम्, प्रजाविवादप्रशमनम्
(2) व्यायाम:, स्नानम्, होम:, मन्त्रिभिर्मन्त्रणम्
(3) होम:, प्रजाविवादप्रशमनम्, मन्त्रिभिर्मन्त्रणम्, व्यायाम:
(4) मन्त्रिभिर्मन्त्रणम्, प्रजाविवादप्रशमनम्, स्नानम्, होम:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

128. राजमण्डलस्य मूलमेते चत्वार: –

(1) मध्यम:, विजिगीषु:, उदासीन:, शत्रु:
(2) शत्रु:, विजिगीषु:, आक्रन्द:, पार्ष्णिग्राह:
(3) शत्रु:, मध्यम:, उदासीन:, चक्रवर्ती
(4) शत्रु:, विजिगीषु:, मध्यम:, आक्रान्ता
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

129. यत्र धर्मस्य विषये ब्राह्मणा विवदेयुस्तत्र राज्ञा किं करणीयम् ?

(1) तानभिभूय निर्णय: कार्य:
(2) विमर्शाय पुन: सभा रचनीया
(3) तान् अपगतकोपान् कृत्वा धर्मस्य प्रतिपादनं करणीयम्
(4) स्वमतं प्रकाश्य ते पुनश्चर्यां विधातुं समादेष्टव्या: ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

130. **कथनम्** – सर्ववर्णविषये साक्षिभि: सत्यं वक्तव्यम् ।

कारणम् – साक्षी सत्येन पूयते धर्मश्चास्य सत्येन वर्धते ।

मनुस्मृतिमाश्रित्य अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(1) केवलं कथनं सत्यम् अस्ति ।
(2) केवलं कारणं सत्यम् अस्ति ।
(3) कथनं कारणञ्च उभे सत्ये ।
(4) कथनं कारणञ्च उभे असत्ये ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

131. प्रशासने भ्रष्टाचारं निरोद्धुं क उपायो मनुना प्रोक्त: ?

(1) सर्वस्वमादाय प्रवासनम्
(2) कार्यिकेभ्योऽर्थग्रहीतॄणां वध:
(3) कार्यिकेभ्योऽर्थग्रहीतॄणां कारायां पात:
(4) कशाप्रहारा:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

132. मनुस्मृत्यनुसारेण ऋणादानादौ स्त्रीणामन्योन्य-व्यवहारे साक्षित्वमावहन्ति –

(1) द्विजा: (2) नृपतय:
(3) स्त्रिय: (4) श्रोत्रिया:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

133. 'धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षित:' पंक्तिरियं प्राप्यते –

(1) मनुस्मृते: सप्तमेऽध्याये
(2) मनुस्मृते: नवमेऽध्याये
(3) मनुस्मृते: अष्टमेऽध्याये
(4) याज्ञवल्क्यस्मृते: व्यवहाराध्याये
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

134. साक्ष्येऽनृतभाषणे किमुत्तरोत्तरं कष्टतरम् ?

(1) भूम्यनृतम्, पश्वनृतम्, हिरण्यानृतम्, गवानृतम्
(2) हिरण्यानृतम्, भूम्यनृतम्, गवानृतम्, पश्वनृतम्
(3) पश्वनृतम्, गवानृतम्, हिरण्यानृतम्, भूम्यनृतम्
(4) गवानृतम्, पश्वनृतम्, भूम्यनृतम्, हिरण्यानृतम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

135. स्तेय–साहसयो: को भेद: ?

(1) लघुद्रव्यापहार: स्तेयम् – बहुमूल्यद्रव्यापहार: साहसम्
(2) पश्वाद्यपहार: स्तेयम् – मनुष्यापहार: साहसम्
(3) स्वामिप्रत्यक्षं हृतं साहसम् – परोक्षे हृतं स्तेयम्
(4) छलेनापहार: स्तेयम् – बलेनापहार: साहसम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

136. व्यवहारप्रसङ्गे वृषलपदस्य किं निर्वचनं कुल्लूकेन दत्तम् ?

(1) वृषस्य 'अलम्' वारणं करोतीति ।
(2) वृषमलङ्करोति भूषयतीति वृषल:
(3) वृषं लातीति
(4) वृषं लुनीते – इति ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

137. मनुस्मृत्यनुसारेण अपुत्रेण पित्रा 'यदपत्यं भवेदस्यां तन्मम स्यात्स्वधाकरम्' इति सम्प्रतिपत्त्या कृतविवाहा कन्या कथ्यते –

(1) मातृका (2) पितृका
(3) पुत्रिका (4) कृतिका
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

138. मनुस्मृत्यनुसारेण मातृपितृभ्याम् उत्सृष्टोऽन्येन पुत्ररूपेण स्वीकृत: पुत्र: कथ्यते –

(1) क्षेत्रज: (2) स्वयंदत्त:
(3) अपविद्ध: (4) पौनर्भव:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

139. मनुमतेन द्वादशपुत्राणां मध्ये अधस्तनेषु दायादा: बान्धवाश्च सन्ति –

(1) कानीनपुत्रा: (2) पौनर्भवपुत्रा:
(3) स्वयंदत्तपुत्रा: (4) गूढोत्पन्नपुत्रा:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

140. मनुस्मृत्यनुसारेण स्त्रीधनं कतिविधं भवति –

(1) द्विविधम् (2) चतुर्विधम्
(3) षड्विधम् (4) अष्टविधम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

141. अपुत्रस्य मृतस्य धनं प्राथम्येन को लभते ?

(1) पिता (2) दुहिता
(3) माता (4) भ्राता
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

142. मनुस्मृत्यनुसारेण 'उद्धार:' अस्ति –

(1) पैतृकसम्पत्तौ ज्येष्ठस्य विंशतितम: भाग:
(2) पैतृकसम्पत्तौ मध्यमस्य चत्वारिंशत्तम: भाग:
(3) पैतृकसम्पत्तौ कनिष्ठस्य अशीतितम: भाग:
(4) पैतृकसम्पत्तौ कनिष्ठस्य दशम: भाग:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

143. मनुस्मृत्यनुसारेण सन्तानाभावे स्त्रिया केन सह नियोगेन सन्तानं न उत्पादयितव्यम् –

(i) सपिण्डेन (ii) ज्येष्ठभ्रात्रा

(iii) देवरेण (iv) बान्धवेन

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(1) (i), (ii) केवलम्

(2) (ii), (iii) केवलम्

(3) (i), (iii) केवलम्

(4) (ii), (iv) केवलम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

144. 'प्रोषितो धर्मकार्यार्थे प्रतीक्ष्योऽष्टौ नर: समा:' – तत: परं भार्याया: को धर्म: कुल्लूकेनोपदिष्ट: ?

(1) तया स्वाधीनतया वर्तितव्यम्

(2) तया तपोवृत्त्या वर्तितव्यम्

(3) तया पितुर्गृहं गन्तव्यम्

(4) तया पतिसकाशं गन्तव्यम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

145. कथनम् – पितृमरणानन्तरं दायविभागे सति सर्वेषां भ्रातृणां सहैवावस्थाने ज्येष्ठ एव पितृसम्बन्धि धनं गृहीयात् ।

कारणम् – ज्येष्ठे जाते सति मनुष्य: पुत्रवान् भवति तथा पितॄणाम् अनृणश्च भवति ।

मनुस्मृतिमाश्रित्य अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(1) कथनं सत्यमस्ति किन्तु कारणम् असत्यमस्ति ।

(2) कथनं असत्यमस्ति किन्तु कारणम् सत्यमस्ति ।

(3) कथनं कारणञ्चोभे सत्ये ।

(4) कथनं कारणञ्चोभेऽसत्ये ।

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

146. याज्ञवल्क्यमतेन वानप्रस्थ: सञ्चितमर्थं कस्मिन् मासि त्यजेत् ?

(1) आश्वयुजे (2) श्रावणे

(3) भाद्रपदे (4) फाल्गुने

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

147. आत्मा जगत: कर्तेति साधयितुं विज्ञानेश्वरेण को हेतुर्निर्दिष्ट: ?

(1) जगत: सुखदु:खमोहात्मकत्वात्

(2) तस्य निर्गुणत्वात्

(3) सर्वशक्तिमत्त्वात्सर्वव्यापित्वाच्च

(4) तस्यैवादृष्टादेवोद्धृत्वात्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

148. अत्र वानप्रस्थस्य दिनचर्याया अङ्गं किं नास्ति ?

(1) अटनम् (2) योगाभ्यास:

(3) दिवा स्वाप: (4) विहार:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

149. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारेण 'दौहृदम्' अस्ति –

(1) विवाहे दुहित्रे प्रदत्तं स्त्रीधनम्

(2) गर्भिण्या: स्त्रिया अभिलषितम्

(3) दुहितरि मृतायां तत्कृते उदकदानम्

(4) वानप्रस्थेन सञ्चितं अन्नादिद्रव्यम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

150. मनुस्मृतिमाश्रित्य यथोचितं मेलनं कुरुत –

सूचि–I (मिथ्याभिधानम्)	सूचि–II (दण्ड:)
A. लोभात्	i. प्रथमसाहसदण्ड:
B. मोहात्	ii. सहस्रपण:
C. भयात्	iii. प्रथमसाहसस्य चतुर्गुणम्
D. मैत्रात्	iv. मध्यमसाहसदण्ड:

अधोलिखितेषु विकल्पेषु समीचीनमुत्तरं चिनुत –

	A	B	C	D
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	i	iv	iii
(3)	iii	ii	iv	i
(4)	iv	iii	i	ii

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK